2125-08 Printed Pages : 8

Degree (Part-III) Examination, 2022

(Honours)

SANSKRIT

[PPU-D-III-(H)-SANK-8]

(निबन्धादि)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

निर्देश- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दीजिए। उपान्त के अंग पूर्णांक के द्योतक हैं।

समूह-अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [10×2=20]

(i) भाषा की परिभाषा लिखिए।

(ii) भाषा-विज्ञान के कौन-कौन अंग होते हैं?

(iii) बोली की परिभाषा लिखिए।

(iv) भाषा एवं बोली का एक-एक उदाहरण दीजिए।

https://www.ppuponline.com

(v) भाषोत्पति के धातु-सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन हैं?

(vi) 3 का उच्चारण स्थान लिखिए।

(vii) आभ्यान्तर प्रयत्न के कितने भेद होते हैं?

(viii) बाह्य प्रयत्न किसे कहते हैं?

(ix) अन्तःस्थः वर्ण कौन-कौन होते हैं?

(x) भूतकाल के लिए किस लकार का प्रयोग होता है?

(xi) लता शब्द के तृतीया विभक्ति बहुवचन का रूप लिखिए।

(xii) लट्-लकार किस काल के लिए प्रयुक्त होता है?

(xiii) गम धातु के लट्-लकार मध्यम पुरुष द्विवचन का रूप लिखिए।

(xiv) अखादत् किस लकार के किस पुरुष के किस वचन का रूप है?

(xv) मया किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

समूह-ब

निर्देश - किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - [4×5=20]

2. भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

https://www.ppuponline.com

3. भाषा-विज्ञान कला है अथवा विज्ञान, वर्णन कीजिए।

4. भाषा-विज्ञान के किसी एक अंग का वर्णन कीजिए।

5. बोली और व्यक्ति बोली में क्या अन्तर है?

6. ध्वनियों के वर्गीकरण के आधारों का वर्णन कीजिए।

7. ध्वनि-परिवर्तन के बाह्य कौन-कौन से कारण हैं?

समूह-स

निर्देश - **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - [3×20=60]

8. 'विद्वान् सर्वत्र पूज्यते' इस पर संस्कृत में निबंध लिखिए।

अथवा

'अतिथि-देवो भव' पर संस्कृत में निबंध लिखिए।

9. हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए -

भारते बहूनि दर्शनीयानि स्थानानि सन्ति। तेषु अतिरमणीयं कन्याकुमारी नाम। तत् स्थानं भारतस्य दक्षिणे कोणे तिष्ठति। देव्याः कन्याकुमार्याः सन्निध्येन पावनमिदं स्थानम्। तत् सूर्योदयः सूर्यस्तं च नितरां दर्शनीये। पूर्णिमायां तिथौ सायं पूर्वस्यां दिशायां चन्द्रोदयः पश्चिमायां सूर्यस्तं च युगपद् दृश्येते। कन्याकुमारी सर्वैः गन्तव्या। तत्प्याः जनाः अतीव अतिथिपरायणाः सन्ति।

https://www.ppuponline.com

अथवा

शिवेन भस्मीकृतं कामदेवं विलोक्य पार्वती भग्नमनोरथा जाता। ततश्च सौन्दर्यबलेन शिवस्य वशीकरणं दुष्करं मत्वा पार्वती महत् तपश्चरितुं प्रचक्रमे। सा मात्रा निवास्तिपि पित्रुराज्ञामादाय सखीभिः सह हिमालयस्यैकं शिखरं जगाम। सा रत्नाभरणानि कौशेयवसनानि च विहाय वल्कलानि अक्षसूत्राणि च पिरदधे। प्रातः स्नानम् हवनम् स्वाध्यायस्य पाठ इत्यासीत् तस्यादिनचर्या। शनैः-शनैः तया दुष्करं तपः प्रारब्धम्। अथैकदा मृग चर्मधरः, दण्डपाणिः, कान्तिमान् युवा ब्रह्मचारी तां तपस्विनी द्रस्तुं समाययौ।

10. संस्कृत में अनुवाद कीजिए: https://www.ppuponline.com

महाकवि कालिदास संस्कृत साहित्यसंसार में सूर्य के समान चमकते हैं। वे निस्सन्देह सर्वश्रेष्ठ काव्य-नाटककार हैं। वे उज्जयिनी के थे। उन्होंने दो महाकाव्य लिखे- 'रघुवंश' और 'कुमार सम्भव'। इनमें रघुवंश श्रेष्ठ और अधिक प्रसिद्ध है। उन्होंने तीन नाटक लिखे- 'मेलविकाग्निमित्र', 'विक्रमोर्वशीय' और 'अभिज्ञानशाकुन्तल'। उनके तीनों नाटकों में 'अभिज्ञानशाकुन्तल' सबसे श्रेष्ठ है। 'मेघदूत' गीतिकाव्य है, जो संसार में प्रसिद्ध है। छोटा काव्य होने पर भी यह बड़ा ही आकर्षक है। कालिदास भारत के ही नहीं वरन् विश्व के प्रसिद्ध कवि थे।

https://www.ppuponline.com

The great poet Kalidas is similar to the sun in the world of Sanskrit literature. He is undoubtedly the best poet and playwright. The great poet Kalidas belonged to the Ujjaini. He wrote two epics- 'Raghuvansh' and 'Kumar sambhava! Among them 'Raghuvanash' is the best and more famous. He wrote three plays, 'Malvikagnimitra', Vikramorvashiya and 'Abhigyanshakuntala', in all his Three plays- Abhigyanshakuntala is the best 'meghdoot' is a lyrical poem, which is famous in the world, Even thought it is Considered a small poem, it is very attractive. Kalidas was a famous poet not only in India but in the world.

अथवा

राजगीर एक दर्शनीय स्थल है। किसा समय यह मगध-साम्राज्य की राजधानी थी। यहाँ गर्म जल के अनेक झरने हैं। इनमें से एक सप्तधारा के रूप में विदित है। यहीं गृहकूट की चोटी पर भगवान बुद्ध ने तप किया था। आज उस पर एक विश्वशान्ति-स्तूप शोभता है। ऊपर जाने के लिए बिजली से चलनेवाला एक रज्जुमार्ग है। इस पर चढ़ना सबको अच्छा लगता है। जाड़े के मौसम में दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। मलमास में यहाँ मेला लगता है। मलमास प्रत्येक तीन वर्ष पर होता है। हमलोगों को राजगीर अवश्य जाना चाहिए।

https://www.ppuponline.com

Rajgir is must visit place. It was once the capital of the Magadh Empire. There are many hot water spring here. One of these is known as Saptadhara. This is where cord Buddha meditated on the top of Grihkoot. Today a Vishwashanti stupa adornsit. To go up there is a rope run by electricity. Everyone likes to climb it. People from far and wide come here in the free season of winter. A fair is held here in Malmas. Malmas takes place every three years. We must go to Rajgir.

-----x-----

https://www.ppuponline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.ppuponline.com